Nai Dunia (Indore), 25th July 2022, Page - 03

शोध के रिकार्ड तोड़ने को बेताब आइआइटी

सफलता ● कोरोना संक्रमण के इलाज पर हो रहा काम, कृषि के क्षेत्र में भी किए शोध

गजेंद्र विश्वकर्मा ● इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर शोध के क्षेत्र में नए कीर्तिमान बना रहा है। कोरोनाकाल में जब कई शिक्षण संस्थान बंद थे उस समय भी संस्थान के प्रोफेसर शोध कार्य करते रहे। 2021 में संस्थान के 28 शोध पत्रों ने अंतरराष्ट्रीय जर्नल में जगह बनाई। 2022 में अब तक 16 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इस तरह दो वर्ष में 44 शोध पत्र नामी जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। 2018 में यह संख्या केवल दो थी। संस्थान का मानना है कि इस वर्ष शोध कार्य के मामले में साल के अंत तक सारे रिकार्ड टूट सकते हैं। संस्थान के नाम अब तक 36 पेटेंट दर्ज हो चुके हैं। इसमें कैंसर के उपचार, नुकसानदायक बैक्टीरिया, आटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि, ड्रोन और अन्य विषय शामिल हैं। आइआइटी इंदौर को अब कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों से भी मदद मिलने लगी है। ऐसा इसलिए क्योंकि संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 45 समझौते किए हैं। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर यह संख्या 39 है।

कोरोना को लेकर भी संस्थान कई शोध कर चुका है। इसके बाद यूनाइटेड नेशन, यूनेस्को व विश्व के कई एनजीओ ने संस्थान को ग्लोबल पेंडेमिक हब के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया है। कोरोना की वैक्सीन बनाने की योजना पर भी संस्थान काम कर रहा था, पर इसे बीच में रोककर संक्रमण की दवाई बनाने की तकनीक पर कुछ प्रोफेसर व्यक्तिगत रूप से कार्य कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में भी हाल ही में संस्थान ने दो ऐसे शोध किए हैं। आइआइटी इंदौर के पीआरओ सुनील कुमार का कहना है कि कोरोना के बीच में जब आनलाइन कक्षाएं संचालित हो रही थीं, तब भी संस्थान के प्रोफेसर शोध कार्य कर रहे थे। इसके परिणाम अब धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं।

44
शोध पत्र वर्ष 2021-22 में हुए प्रकाशित

45 एमओयू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए आइआइटी ने

39 एमओयू राष्ट्रीय स्तर पर किए

36 पेटेंट अब तक मिल चुके हैं संस्थान को

आइआइटी इंदौर। ● फाइल फोटो

इस वर्ष इतने जर्नल प्रकाशित हुए

2018 में 2	2020 में 17	2022 में अब तक 16
2019 में 14	2021 में 28	

संस्थान के पास कई साधन मौजूद

संस्थान में लर्निंग रिसोर्स सेंटर (एलआरसी) स्थापित किया गया है। इसके तहत केंद्रीय पुस्तकालय, आनलाइन सूचना और कई संसाधन मौजूद हैं। संस्थान के पास 3800 से ज्यादा इलेक्ट्रानिक पत्रिकाएं हैं। सभी नामी ई- पुस्तकालय भी संस्थान के साथ जुड़े हुए हैं। किसी भी साधन या जानकारी लेने के लिए संस्थान दुनिया के किसी भी नामी शोध संस्थान या विश्वविद्यालय से मदद ले सकता है।